पोस्टल रजि.नं. ATI/RNP/268/2025-2027
RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र जे. दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

अमरावती । गुरुवार दि.९ से १५ जुलाई २०२६ | अभिनंदन बँक विशेष | वर्ष १७ । अंक ०७ । पृष्ठ ८ । मूल्य १०रु.

बाबूजी के आदर्श विचार

मानव जीवन बडे भाग्य से मिलता है. यह जीवन मिलने के बाद जन्म से लेकर दुनियासे विदाई के बीच का समय हमें मिलता हैं. इस दौरान हमारे द्वारा किये जानेवाले कार्य यह तय करते हैं कि मरने के बाद हम दस दिन याद किये जाएं या लोग मरने के बाद भी कई वर्षों तक हमारे परमार्थी काम के लिए हमें याद करें.

न्यायविद

मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत व्यक्तित्व

अमरावती भूमी के भूषण तथा भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का व्यक्तित्व केवल एक न्यायविद के रूप में ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता है। उनका सहज,सरल स्वभाव जहां उन्हें अलग महत्व प्रदान करता है, वहीं कार्यकाल के दौरान कई फैसले के लिए भी उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर आदर्श व्यक्ति के रूप में पहचाना जाता है.

न्यायाविद भूषण गवई को सादगी, अनुशासन और सहज व्यवहार के लिए जाना जाता है। न्यायिक पद की गरिमा बनाए रखते हुए वे सार्वजनिक जीवन में संयमित और मर्यादित आचरण के लिए पहचाने जाते हैं। विभिन्न कार्यक्रमों में वे छात्रों और युवा विधि-विद्यार्थियों को संविधान, नैतिकता और सार्वजनिक सेवा के महत्व पर प्रेरित करते रहे हैं।

अष्टपैलू व्यक्तित्व के साथ ही न्यायमूर्ति भूषण गवई का व्यक्तित्व केवल एक संवैधानिक पदाधिकारी का नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, सामाजिक समावेशन और न्याय के प्रति समर्पित व्यक्ति का भी उदाहरण माना जाता है। इतने महत्वपूर्ण,एकमेव

पद पर रहने के बाद भी अमरावती के साथ उनका लगाव हर उस व्यक्ति के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है कि आप कितनी भी ऊंचाई पर क्यों नहीं पहुंचे लेकिन अपने शहर को कभी भूले नहीं का संदेश देता है. बचपन से ही वे संवेदनशील प्रवृत्ति के थे. कभी बड़प्पन वाला स्वभाव नहीं रहने से वे सहजता, सरलता से एक बार जिससे मिलते हैं, वह व्यक्ती उनके व्यक्तित्व का कायल हो जाता है. यह बात स्वयं उनकी माताश्री आदरणीया डॉ.कमलताई गवई बताती हैं.

जस्टिस बीआर गवई के बड़े फैसले

- **नोटबंदी को वैध ठहराना- 2023**
  जस्टिस गवई ने 2016 की नोटबंदी योजना को 4:1 बहुमत से वैध ठहराते हुए कहा कि यह निर्णय केंद्र सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक के बीच परामर्श के बाद लिया गया था और यह 'अनुपातिकता की कसौटी' पर खरा उतरता है।
- **ईडी निदेशक के कार्यकाल का अवैध विस्तार 2023**
  जुलाई 2023 में जस्टिस गवई की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के निदेशक संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल के तीसरे विस्तार को अवैध घोषित किया और उन्हें 31 जुलाई 2023 तक पद छोड़ने का निर्देश दिया था।
- **बुलडोजर कार्रवाई पर रोक- 2024**
  2024 में, जस्टिस गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि केवल आरोपी या दोषी होने के आधार पर किसी की संपत्ति को ध्वस्त करना असंवैधानिक है।कार्रवाई बिना कानूनी प्रक्रिया के नहीं कर सकते, अगर होती है तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा।
- **राजीव गांधी हत्याकांड के दोषियों की रिहाई- 2022**
  जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने 30 साल से ज्यादा समय से जेल में बंद छह दोषियों की रिहाई का आदेश दिया, यह मानते हुए कि तमिलनाडु सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धताः

न्या. गवई अपने कई सार्वजनिक वक्तव्यों में संविधान के मूल्यों- समानता, गरिमा और न्याय-को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इतना ही नहीं तो बोले तैसा चाले के सिद्धांत पर चलते हुए सेवाकाल के दौरान भी उन्हींने इसका स्वयं भी कड़ाई से पालन किया है।

विनम्रता के साथ सर्वोच्च पद तक का सफर

महाराष्ट्र के अमरावती जैसे शहर में सामान्यतः से लेकर सम्पन्नता तक का अनुभव करते हुए देश के मुख्य न्यायाधीश बनने तक का उनका सफर अनेक युवाओं के लिए प्रेरणा है। वे अक्सर मेहनत, ईमानदारी और शिक्षा को सफलता का आधार बताते हैं। उनके मुताबिक नैतिकता, ईमानदारी को तकलीफ हो सकती है लेकिन यह गुण व्यक्ति को कभी हारने नहीं देते हैं.

सुलभ न्याय की वकालत

न्यायिक क्षेत्र के सर्वोच्च पद पर पहुंचने के बाद भी उनकी विनम्रता तथा सरलता में कभी भी फर्क नहीं पड़ने की बात शहर के उनके करीबी और साथ रहने वाली मित्र भी स्वीकार करते हैं। उन्होंने न्याय प्रणाली को आम नागरिकों के लिए अधिक सुलभ, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है,

संवेदनशील न्यायिक दृष्टिकोण

उनके कई निर्णयों और टिप्पणियों में यह विचार दिखाई देता है कि कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि संविधान के अनुरूप न्याय सुनिश्चित करना भी है।

सुभाष दुबे
मो.९४२३४२६१९९

अमरावती से रहा सदा आत्मीय लगाव

बॉम्बे हाई कोर्ट में १९८७ से वकालत शुरू करने वाले न्या.भूषण गवई ने अपने जीवन में काफी उतार-चढ़ाव देखा है. न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर पहुंचने के बाद भी अपनी जन्मभूमि अमरावती शहर से उनका लगाव सदा कायम रहा. देश के सीजेआई बनने के बाद मातोश्री डॉ. कमलताई का आदर्श पुत्र के रूप में जिस तरह झुक कर प्रणाम कर आशीर्वाद लिया, वह उनके व्यक्तित्व की ऊंचाई और आदर्श संस्कारों का सबसे बड़ा उदाहरण कहना गलत नहीं होगा.

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई का अमरावती से गहरा और आत्मीय लगाव रहा है। उनका जन्म २४ नवंबर १९६० को अमरावती में हुआ था और उनका प्रारंभिक जीवन भी इसी शहर में बीता. उन्होंने अपने विधिक जीवन के दौरान भी अमरावती नगर निगम तथा अमरावती विश्वविद्यालय सहित विदर्भ के अनेक संस्थानों का विधिक प्रतिनिधित्व किया.

अमरावती केवल उनकी जन्मभूमि ही नहीं, बल्कि उनकी भावनाओं और पारिवारिक विरासत से भी जुड़ी है. उनके परिवार की पैतृक संपत्ति और कृषि भूमि अमरावती में है, और वे समय-समय पर अपने गृह जिले के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा पारिवारिक कार्यक्रमों में सहभागी होते रहे हैं.

मा.श्री. भूषणजी गवई
(पूर्व चीफ जस्टीस ऑफ इंडिया, भारत सरकार)
अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बँक लि., अमरावती चे मुख्य कार्यालयाला
आत्मीय भेंट
निमित्त
हार्दिक स्वागत!

शुभेच्छुक-
सुदर्शन गांग
अरुण कडू
प्रदीप जैन
आनंद परिवार
बडनेरा,अमरावती

विशेष चिंतन

पर्यावरण में हर नागरिक दे अपना उचित योगदान

अमरावती शहर का तापमान जिस तरह से गर्मी के दिनों में अलग-अलग रंग दिखाया और संकेत दिया वह न केवल सोचने वाली बात है बल्कि पर्यावरण के साथ जारी खिलवाड़ हमें किस रूप में पहुंचाएगी इसका स्पष्ट संदेश भी है. मानव जीवन तभी सुरक्षित रहेगा जब पर्यावरण सुरक्षित रहेगा. पौधारोपण हर व्यक्ति की आदत होनी चाहिए और हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम ४ से ५ पौधे लगाने और उनके संवर्धन की जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लेना चाहिए. फिलहाल बरसात का महीना शुरू है ऐसे में हर नागरिक को अपने घर आंगन के साथ सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम चलाते हुए पर्यावरण को संभालने में योगदान देना चाहिए.

मानव सेवा और पर्यावरण सेवा एक-दूसरे के पूरक हैं. स्वस्थ मानव जीवन के लिए स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण आवश्यक है.यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे, तो प्रकृति भी हमारे जीवन को सुरक्षित और समृद्ध बनाए रखेगी। इसलिए मानव कल्याण और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है.

मानव सेवा का अर्थ केवल जरूरतमंदों की सहायता करना ही नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सहयोग, करुणा और समानता की भावना को बढ़ावा देना भी है.वहीं पर्यावरण सेवा का अर्थ वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता, जैव विविधता की रक्षा तथा प्रदूषण को कम करने जैसे कार्यों से है.

आज बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है. ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए.एक पौधा लगाना, जल की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और स्वच्छता बनाए रखना भी पर्यावरण सेवा के महत्वपूर्ण कदम हैं.

मानव और पर्यावरण सेवा का वास्तविक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित, स्वस्थ और खुशहाल भविष्य देना है। जब समाज सेवा और प्रकृति संरक्षण साथ-साथ चलते हैं, तभी सतत विकास संभव होता है.आइए, हम सभी यह संकल्प लें कि मानवता की सेवा के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा भी करेंगे। यही सच्ची सामाजिक जिम्मेदारी, राष्ट्रसेवा और भविष्य के प्रति हमारी सबसे बड़ी प्रतिबद्धता है.

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है. मोबाइल नंबर ९४२३४२६१९९/८८५५०१९१८९.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.
संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.
www.vidarbhswabhiman.com

सामाजिक, दिव्यांग हित में योगदान देती है अभिनंदन बैंक

सामाजिक उपक्रमों में रहता है सदा योगदान

अभिनंदन बैंक व्यवसाय के साथ दिव्यांगों की मदद, विद्यापीठ क्षेत्र में होने वाली दौड़ स्पर्धा में आयोजक तथा विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देती है. बैंक की स्थापना से लेकर अभी तक मानव सेवा और राष्ट्र सेवा को ही सर्वाधिक महत्व देने का कार्य किया गया है. समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर के माध्यम से गरीब तथा जरूरतमंदों की निशुल्क जांच कराई जाती है वहीं दूसरी ओर महिलाओं के लिए मार्गदर्शन शिविर तथा सामूहिक हल्दी कुमकुम जैसे सेवाभावी उपक्रम लेकर यह संदेश देने का प्रयास करती है कि मानव सेवा और राष्ट्र सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं हो सकती.

सहकारिता क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ाने वाली अभिनंदन बैंक केवल व्यवसाय ही नहीं बल्कि सामाजिक, संस्कृत तथा सेवाभावी उपक्रमों में भी सदा योगदान देती है. दिव्यांग संस्थाओं की मदद हो, बडनेरा में बेसहारों के लिए सेवारत आधार केंद्र, दिव्यांगों की शतरंज स्पर्धा सहित अनगिनत सामाजिक उपक्रमों में बैंक का सहभाग रहता है. अपने ग्राहकों की संतुष्टि के साथ सामाजिक उपक्रमों में योगदान देकर बैंक ने मानवता सेवा का जहां निर्वाह किया है वहीं बैंक के इस कार्य की सराहना सभी करते हैं.

सहकारिता केवल वित्तीय लेन-देन तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम भी होती है. इसी विचार को साकार करते हुए अभिनंदन बैंक ने बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का भी उत्कृष्ट निर्वहन किया है. बैंक ने अपने स्थापना काल से ही सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपनी कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाया है.

अभिनंदन बैंक के सामाजिक कामों में जलगांव जामोद में बादल फटने पर निराधार हुए लोगों को ब्लैंकेट और बेडशीट का वितरण बैंक द्वारा किया गया. बैंक के ग्राहकों के लिए मुफ्त नदी जांच और दांत तथा शुगर एवं बीपी जांच शिविर का आयोजन कर इसका लाभ दिया गया. सेवाभावी उपक्रमों का सिलसिला जारी रखते हुए बैंक द्वारा ५२ दिव्यांगों को निशुल्क किराणा किट का वितरण करते हुए मदद की गई.

बैंक द्वारा रिजर्व बैंक नागपुर के साथ मिलकर बैंक के संचालक सदस्य तथा कर्मचारी और ग्राहकों के लिए साइबर सुरक्षा जन जागृति अभियान कार्यशाला लेकर ठगबाजों से कैसे बचें, इसकी जानकारी दी गई. छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए १०वीं और १२वीं की परीक्षा में मेधावी रहे छात्रों का सत्कार भी बैंक द्वारा किया जाता है.

आरडीआयके कॉलेज बडनेरा तथा अभिनंदन बैंक के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय क्रॉस कंट्रीज स्पर्धा जिला खेल संकुल संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ में आयोजित की गई. इस स्पर्धा में कल ११२ महाविद्यालयों के लगभग ८०० छात्र-छात्राएं सहभागी हुई. अमरावती शहर पुलिस और अभिनंदन बैंक के संयुक्त तत्व अवधान में महिला सुरक्षा के १० सूत्र, साइबर अपराध जन जागृति तथा महिलाओं के लिए कानूनी मार्गदर्शन करने वाली पुस्तिका का भी प्रकाशन किया गया.

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए विभिन्न स्वास्थ्य जांच शिविर लेकर सैकड़ो महिलाओं को इसका लाभ दिया गया. पर्यावरण जन जागृति के लिए बैंक द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम लेने के अलावा महिला दिन पर महिलाओं के लिए बैंकिंग कार्यशाला ली गई. विद्यालय तथा महाविद्यालय इन छात्रों के लिए बैंकिंग संबंधी कार्यशाला लेने के अलावा व्यापारियों के लिए आयकर तथा जीएसटी के बारे में विशेष कार्यशाला लेकर समुचित मार्गदर्शन किया गया. बैंक का सामाजिक कार्य जहां अनुकरणीय रहता है वहीं इस तरह की कल्पनाशीलता और सामाजिक उपक्रमों के लिए अभिनंदन बैंक की सदा कई मान्यवरों द्वारा सराहना भी की गई है.

पेज ३ से आगे

सहकारिता, सेवा और विश्वास की मिसाल स्थापित की है।

सहकारिता आंदोलन का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सशक्तिकरण और वित्तीय सेवाएँ पहुँचाना है. इसी उद्देश्य को आत्मसात करते हुए अभिनंदन बैंक ने अपने उत्कृष्ट कार्यों, पारदर्शी प्रशासन, ग्राहक-केंद्रित सेवाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व के बल पर एक विशिष्ट पहचान बनाई है.यही कारण है कि आज यह बैंक अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों और सम्मानों से अलंकृत होकर सहकारिता क्षेत्र में प्रेरणादायी संस्थान के रूप में स्थापित हो चुका है.

अभिनंदन बैंक ने केवल बैंकिंग सेवाओं तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का निरंतर प्रयास किया है. आधुनिक तकनीक, त्वरित सेवाएँ, ग्राहकों के प्रति आत्मीय व्यवहार और वित्तीय अनुशासन ने बैंक को जनविश्वास का प्रतीक बना दिया है.

बैंक को समय-समय पर प्राप्त विभिन्न पुरस्कार उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन, सुशासन, वित्तीय मजबूती और नवाचार की पुष्टि करते हैं. ये सम्मान केवल बैंक की उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि उसके कर्मचारियों, संचालक मंडल और लाखों ग्राहकों के विश्वास का प्रतिफल हैं.

अभिनंदन बैंक सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाता रहा है.शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे अनेक कार्यों के माध्यम से बैंक ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है. आज अभिनंदन बैंक की सफलता इस बात का प्रमाण है कि ईमानदारी, पारदर्शिता, सेवा भावना और दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर कोई भी सहकारी संस्था राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकती है।आने वाले समय में भी बैंक सहकारिता, विकास और सामाजिक सेवा के नए आयाम स्थापित करती रहेगी।

अभिनंदन बैंक वास्तव में केवल एक वित्तीय संस्था नहीं, बल्कि विश्वास, विकास और जनसेवा का ऐसा सशक्त माध्यम है, जिस पर उसके जमाकर्ता ग्राहक और सभासद सब अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते है।

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 9 से 15 जुलाई 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 06 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

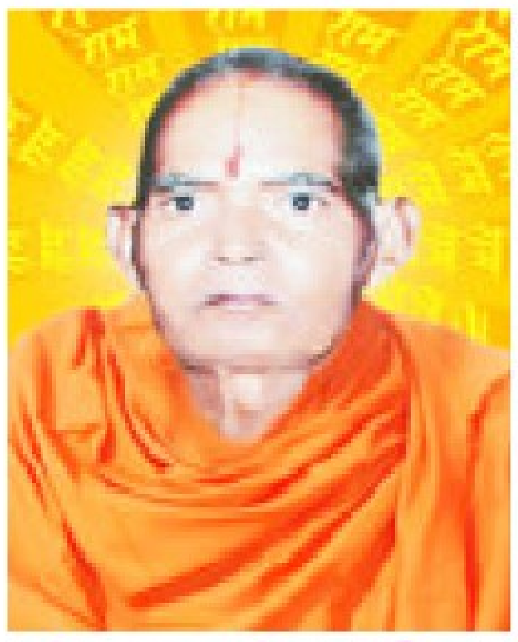

जीवन की खुशियां

प्रभु की असीम कृपा होने पर ही आपको मानवता की सेवा अथवा अच्छा काम करने का मौका मिलता है. वर्ना कई अरबपति रहकर भी कुछ अच्छा नहीं कर पाते हैं, वहीं कई मेहनत-मजदूरी वाला व्यक्ति अच्छे कामों में कम ही सही लेकिन अपना योगदान सदा देने का प्रयास करता है. जीवन में जितना बन सके, अच्छा करने,सेवाभाव रखते हुए कुछ करने का जज्बा रखना, दयालू प्रभु कभी निराश नहीं करेंगे, केवल विश्वास चाहिए.

न्यूजलैंड ने खोले भारतीय व्यापारियों के लिए दरवाजे

विदर्भ स्वाभिमान,1 जुलाई

आकलैंड- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शक्रवार को दो दिवसीय न्यूजीलैंड दौरे पर पहुंचने वाले हैं. लेकिन इससे पहले ही न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने बड़ा एलान कर दिया है.क्रिस्टोफर लक्सन ने गरुवार को भारतीय बाजार में न्यूजीलैंड के सामानों की पहंच बढ़ाने के लिए 57 फीसदी निर्यात पहले ही दिन से बिना टैरिफ किए जाने का एलान किया.क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौते की तारीफ की और कहा कि इससे काफी फायदा होगा.हमारे भारत व्यापार समझौते से न्यूजीलैंड के व्यवसायों में तेजी आएगी। हम भारत को जो कछ भी निर्यात करते हैं, उसका 57 प्रतिशत पहले दिन से ही बिना टैरिफ के होगा.लक्सन ने पीएम मोदी को न्यूजीलैंड आने का निमंत्रण दिया है। पीएम मोदी 10 और 11 जलाई को दो दिन की राजकीय यात्रा पर न्यूजीलैंड पहंचेंगे. दौरे से ठीक पहले हुए इस एलान को भारत और न्यूजीलैंड के बीच गहरी दोस्ती और प्रगाढ़ व्यापारिक संबंधों के रूप में देखा जा रहा है.

लड्डा का तबादला, गोंदावले बने आयुक्त

मनपा आयुक्त पद पर 6 माह में दो आयुक्तों का तबादला, विकास प्रभावित

विदर्भ स्वाभिमान,8 जुलाई

अमरावती- अप्रैल में ही मनपा आयुक्त के रूप में पद्भारी संभालने वाली मनपा आयुक्त वर्षा लड्डा का तबादला महिला व बाल कल्याण विकास आयुक्त के रूप में किया गया है. उनके स्थान पर अमरावती मनपा आयुक्त पद पर डॉ.मंगेश गोंदावले को मनपा आयुक्त नियुक्त किया गया है. पिछले एक वर्ष के दौरान मनपा आयुक्त के रूप में यह तीसरा तबादला है. इसको लेकर चिंता भी जताई जा रही है. अमरावती मनपा में आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पद को लेकर यह अनिश्चिता विकास को भी प्रभावित कर रही है.

राज्य सरकार ने बीते बुधवार को राज्य के आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए, उसके तहत अमरावती मनपा आयुक्त वर्षा लढ्ढा का तबादला पुणे के महिला व बाल विकास आयुक्त पद पर कर दिया गया. लढ्ढा के स्थान पर आईएएस अधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले की नियुक्ति मनपा आयक्त के पद पर की गई है. गौरतलब है कि 3 जुलाई को ही 'प्रतिदिन अखबार' द्वारा वर्तमान मनपा आयुक्त वर्षा लढ्ढा के तबादले को लेकर शहर में भी चर्चा की जा रही है. वैसे भी यहां वे दिलचस्पी नहीं लेने से पालकमंत्री ने पहले ही तबादले का संकेत दिया था.

राज्य सरकार की ओर से बधवार को किए तबादलों की सूची में वर्षा लढ्?ढा समावेश होने से अमरावती सहित संपूर्ण जिले में प्रतिदिन अखबार

की खबर की चर्चा रही. यहां बता दें कि 5 अप्रैल 2026 को ही वर्षा लढ्ढा ने मनपा के पूर्व आयक्त सौम्या शर्मा की जगह जिम्मेदारी संभाली थी, ऐसे में चंद 3 माह में ही मनपा आयक्त वर्षा लढ्ढा का तबादला होने पर मनपा स सहित अमरावती जिले में कई तरह की में चर्चा की जा रही है. नवनियुक्त मनपा आयक्त डॉ. मंगेश गोंदावले इसस पहले गोंदिया में जिलाधिकारी पद पर कार्यरत रह चुके है, वे मुंबई के सिडको में उपाध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक पद पर भी रह चुके हैं, ऐसे में राज्य सरकार की ओर से उनकी अमरावती के मनपा आयक्त पद पर नियक्ति करने के आदेश जारी कर दिए.वे शुक्रवार 10 जलाई को अपना पदभार स्वीकार सकते हैं, जिससे पूर्व वे गुरुवार को यानि आज मनपा आयुक्त वर्षा लढ्ढा से चर्चा करेंगे और संभवतः शुक्रवार को ही भी अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे. उनके समक्ष चुनौती भी भरपूर रहेगी.क़मजोर आर्थिक स्थिति मजबूती के साथ सुधार की अपेक्षा रहेगी.

अमरावती का तहसील कार्यालय अंग्रेजों के जमाने में बनी इमारत है. यहां का कुआं कभी सूखता नहीं है. यह कुआं आज भी सैकड़ों लोगों को रोजगार देता है. इसके माध्यम से शहर में कई लोग जलापूर्ति का काम करते हैं.।

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

क्रमठ,ईमानदारी अधिकारी होते हैं शान

जिंदगी जीने के लिए बहुत कुछ नहीं चाहिए. लेकिन आपको परमात्मा ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, वह अगर सही तरीके से निभा सके तो निश्चित तौर पर सदा याद किए जाते हैं. अमरावती में कुछ ऐसे अधिकारी होकर गए हैं, जिन्हें याद करते समय हर नागरिक का सीना चौड़ा हो जाता है. ऐसे में कर्मठ पुलिस,राजस्व तथा अन्य विभागों के अधिकारी भी विभाग के साथ शहर की शान कहना गलत नहीं होगा. कहते हैं कि कुछ पुलिस अधिकारियों को लोग सदा याद रखते हैं, अमरावती शहर में पुलिस आयक्त अमितेश कमार, पुलिस अधीक्षक टी.एस. भाल, डीसीपी पी.टी. पाटिल, थानेदार विजयसिंह गौतम सहित दर्जनभर से अधिक ऐसे अधिकारी आज भी शहरवासियों के दिलों में राज करते हैं. अधिकार हर अधिकारी को एक जैसे होता है. कानून भी एक जैसे होता है लेकिन नैतिकता, आत्मसंतोष का भाव रखने वाले अधिकारी अपने कार्य से सदा लोगों के दिलों में सेवानिवृत्ति के बाद भी रहते हैं. लेकिन दुर्भाग्य की अमरावती शहर के साथ ही जिले में कुछ वर्षो से ऐसे अधिकारी नहीं हैं, यही कारण है कि आज कानून का डर धीरे-धीरे खत्म हो रहा है और पहले जहां जानलेवा हमला होने की घटना के बाद पुलिस की उपस्थिति आरोपियों को भयभीत करती थी, वहीं वर्तमान में नाबालिग चाकू लेकर चल रहा है और मामूली विवाद पर हत्याएं करने के बाद भी गिरफ्तारी औरं रहाई के चलते अपराधियों में डर नहीं रहा है. लेकिन आज भी कुछ अधिकारी ऐसे हैं, जिनका तबादला जहां होता है, वहां अपनी ओर से सुधारने का प्रयास करते हैं. राजनीतिक स्थिति और अवैध धंधों को प्रोत्साहन देने वाली नौबत फिल्म सिंघम का वह डायलॉग याद दिलाता है कि आरोपी को गिरफ्तार करने के पहले ही नेताजी का फोन आ जाता है. अवैध धंधों को बढ़ाने में भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था भी कम दोषी नहीं है. चांदूर बाजार में नए थानेदार आधारसिंह सोनोने द्वारा पद्भार संभालने के साथ ही शहरवासियों में बड़ी उम्मीदें जगी हैं.

चांदूर बाजार थाना क्षेत्र में अवैध धंधे, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगाम लगाने के साथ ही चोरी और सेंधमारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. इस आशय की चेतावनी सोनोने ने देते हुए स्पष्ट किया कि कानून के दायरे में रहते हुए सभी को न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा. वे जहां भी जाते हैं, अपने स्तर पर कानून का सम्मान बढ़ाने का काम करते हैं, ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि चांदूर बाजार थाना क्षेत्र में अवैध धंधों के साथ ही असामाजिक तत्वों पर भी उनका मनोवैज्ञानिक दवाब निश्चित तौर पर रहेगा. शहर में बढ़ रही चोरी और घरफोड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाई जाएगी तथा रात में बिना कारण घूमने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. चांदूर बाजार थाना क्षेत्र में नए थानेदार की कार्यप्रणाली भी हटकर रहने का अनुभव लोग करेंगे, इसका विश्वास है.

क़ाबिले तारीफ है सीएचओ संगठन का काम

ज़ीवन में नेक काम ही सदा रखते हैं जिंदा

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

जीवनमें हमारे नेक काम ही सदा जिंदा रखते हैं. वर्ना कई लोगों के पास करोड़ों की दौलत रहने के बाद भी मरने के बाद कोई याद नहीं करता है लेकिन कई गरीबी में रहकर भी सदा सेवाभाव रखते हैं और वे दुनिया में नहीं रहने के बाद भी उन्हें लोग याद करते हैं. आदमी इतना स्वार्थी है कि बुराई करने के बाद उसका दोष पापी पेट को दे देता है. जबकि पेट विचारा इतना बड़ा नहीं है. भ्रष्टाचारी से लेकर मक्कारी करने वाले भी यह सब पापी पेट के लिए करने की बात करते हैं. खैर...विषयांतर के लिए क्षमस्व. युवाओं की सेवाभावना का दर्शन ज्ञानशांति उपवन में महाराष्ट्र समुदाय स्वास्थ्य अधिकारी यानी सीएचओ संगठन द्वारा रविवार को आयोजित बुजुर्ग माता.पिता के स्वास्थ्य जांच के दौरान दिखा. संगठन चाहे तो बहुत कुछ करता है लेकिन दुर्भाग्य की वर्तमान में अमरावती सीएचओ संगठनों की कमी है. संगठन के पूर्व राज्य अध्यक्ष अंकुश मानकर के साथ ही इस शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सीएचओ संदीप दुबे, शीतल दुबे के साथ ही अन्य सभी साथियों का दिल से अभिनंदन किया जाना चाहिए. करने की चाह हो तो राह मिल जाती है. संगठन ने सत्यसाई संगठन के साथ मिलकर न केवल बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच की बल्कि दवाईयों का वितरण किया.संगठन के सभी डाक्टरों द्वारा जिस तरह से आत्मीयता से बुजुर्गों की जांच की गई, उसकी भी सराहना की जानी चाहिए.

स्वास्थ्य सेवा किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला होती है. इस सेवा को गांव.गांव तक पहुंचाने में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. अमरावती जिले का सीएचओ संगठन अपने समर्पण, अनुशासन और जनसेवा की भावना के कारण निरंतर सराहना का पात्र बन रहा है.सीएचओ संगठन ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, गैर.संचारी रोगों की जांच, संक्रामक रोगों की रोकथाम, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान तथा आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के प्रभावी संचालन में संगठन के सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है.संगठन केवल अपने सदस्यों के हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करता है. प्राकृतिक आपदाओं, महामारी और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में सीएचओ ने अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य योद्धा के रूप में कार्य करते हुए हजारों लोगों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई हैं.अमरावती सीएचओ संगठन समय.समय पर प्रशिक्षण, स्वास्थ्य शिविर, जनजागरण कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य संबंधी नवाचारों को बढ़ावा देकर स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास करता है. संगठन की एकजुटता, अनुशासन और सेवा भावना अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है.आज आवश्यकता है कि ऐसे समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों को समाज उचित सम्मान दे. सरकार और प्रशासन को भी उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करते हुए बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए, ताकि वे और अधिक उत्साह के साथ जनसेवा कर सकें.निस्संदेह बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच के साथ ही अमरावती सीएचओ संगठन का कार्य समाजहित, जनकल्याण और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत सराहनीय है.हम उनके कामों को सैल्यूट करते हैं.वे मानवता की सेवा इसी तरह करते हुए अन्य संगठनों के लिए अनुकरणीय पथ तैयार करें, यही कामना.

दबंग,कर्मठ और संवेदनशील अधिकारी हैं सीमा दातालकर

पेज 5 से जारी- पर सख्त कार्रवाई करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि कानून से ऊपर कोई नहीं है.अपराधियों के प्रति उनका रुख सख्त रहता है, वहीं पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित कार्रवाई करना उनकी प्राथमिकता रहती है. उनका स्पष्ट मत है कि जो कायदे में रहेगा, वही फायदे में रहेगा. वे मानती हैं कि पुलिस की असली ताकत जनता का विश्वास है. इसी सोच के साथ वे जनसुनवाई, महिला सुरक्षा, यातायात जागरूकता और सामाजिक सहभागिता जैसे अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं. महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और कमजोर वर्गों की सुरक्षा को लेकर उनकी संवेदनशील कार्यशैली की सराहना होती रही है.अनुशासन, पारदर्शिता और त्वरित निर्णय क्षमता ने उन्हें एक प्रभावी पुलिस अधिकारी के रूप में स्थापित किया है. उनके नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा कर कानून-व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य किया है.सीमा दातालकर का व्यक्तित्व यह संदेश देता है कि पुलिस की वर्दी केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी भी है. उनकी निर्भीक कार्यशैली और जनहित के प्रति समर्पण उन्हें एक प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी पुलिस अधिकारी के रूप में स्थापित करता है.

अवैध धंधे बर्दाश्त नहीं करेंगी

पुलिस आयुक्त राकेश ओला के साथ ही सभी वरिष्ठाधिकारियों के अमूल्य मार्गदर्शन के साथ ही शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदा तत्पर रहने वाली सीमा दातालकर का मानना है कि पुलिस की संख्या कम है लेकिन अगर सभी नागरिकों में भी सतर्कता का भाव हो, जहां गलत हो रहा है, उसकी जानकारी पुलिस को देने की मानसिकता हो तो निश्चित तौर पर बड़ी संख्या में समस्याओं का निपटारा हो सकता है. उन्होंने खोलापुरी गेट क्षेत्र में अपराधियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि वे अवैध धंधे तथा कानून का मखौल बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगी. ऐसे तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी. जनता से भी अपनी शिकायतें बेझिझक देने तथा पुलिस को सहयोग करने का आग्रह किया. साथ ही शांति व्यवस्था को अपनी भी जिम्मेदारी समझते हुए अभिभावकों से भी अपने बच्चों पर ध्यान देने तथा संस्कारों का जतन करने का आग्रह किया. बेहतरीन कामों के लिए वे पुलिस विभाग में भी सम्मानित अधिकारी के रूप में पहचानी जाती हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स एसोसिएशन का हेल्थ चेक-अप कैंप,बुजुर्ग माता-पिता ने दिया आशिर्वाद

ओल्ड एज होम में सीनियर सिटिजन का हेल्थ चेक-अप

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जुलाई

अमरावती- मानवता की सेवा को ही ईश्वर सेवा मानते हुए महाराष्ट्र समुदाय स्वास्थ्य अधिकारी संगठन द्वारा मासोद स्थित ज्ञान शांति उपवन ओल्ड एज होम में स्वास्थ्य जांच शिविर तथा निःशुल्क दवाई वितरण शिविर लिया गया. इसकी जहां सराहना हो रही है, वहीं संगठन के सभी पदाधिकारियों , विशेष रूप से शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संदीप दुबे, शीतल दुबे के साथ ही सभी सहयोगियों का अभिनंदन किया जा रहा है.

विश्व योग दिवस को संगठन ने इस सेवाभाव से यादगार बना दिया. कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स एसोसिएशन ने वरिष्ठ नागरिक की हेल्थ केयर के ज़रिए इंसानियत की एक मिसाल कायम की. डॉक्टरों की एक टीम ने रविवार को मासोद के ज्ञानशांति उपवन ओल्ड एज होम का दौरा किया और वहां सभी वरिष्ठ नागरिक की हेल्थ की जांच की. साथ ही, सत्य साईं सेवा संगठन की तरफ से सभी को फ्री दवाइयां बांटी गईं. इस पहल की हर तरफ से तारीफ हुई.

महाराष्ट्र राज्य समुदाय अधिकारी एसोसिएशन और सत्य साईं सेवा संगठन के मिलकर मासोद गांव के ज्ञानशांति उपवन ओल्ड एज होम में एक हेल्थ कैंप लगाया गया. इस कैंप का फायदा ओल्ड एज होम के सभी वरिष्ठ नागरिक को मिला.इस मौके पर, डॉ. आनंद उल्हे और डॉ. अंकुश मानकर ने डॉ. संदीप दुबे के कॉल पर तुरंत अटेंड किया और कैंप को सफल बनाने में अपना कीमती योगदान दिया. डॉ. चैतन्य बुरखंडे, डॉ. वीरेंद्र नारनवारे (धामनगांव रेलवे), सीएचओ डॉ. संदीप दुबे और डॉ. शीतल दुबे के साथ कई मेडिकल एक्सपर्ट मौजूद थे और उन्होंने अपनी सेवाएं दीं. मौके पर डाक्टरों की आत्मीयता देखकर गौरी अय्यर, गणेश अय्यर के साथ ही यह रहने वाले सभी बुजुर्ग मान्यवरों ने खुशी जताते हुए सीएचओ संगठन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि युवाओं की यह पहल निश्चित ही सराहनीय है. डॉ.अंकुश मानकर ने इस वृद्धाश्रम को दत्तक लेने तथा यहां सदा इस तरह के स्वास्थ जांच तथा दवाई वितरण शिविर लेने का भरोसा दिलाया. साथ ही इसके लिए हरसंभव सहयोग का भी वचन दिया.

स्वास्थ्य जांच शिविर में वरिष्ठ नागरिक की जांच की गई और उन्हें ज़रूरी हेल्थ गाइडेंस दी गई. आयोजकों ने भविष्य में भी ज़रूरतमंदों के लिए ऐसे स्वास्थ्य जांच शिविर निरंतर लेने तथा हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया.

इस मौके पर, मौजूद लोगों ने डॉ. आनंद उल्हे को उनके जन्मदिन की बधाई दी और उनके खुशहाल और हेल्दी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं.खास बात यह है कि किसी संगठन के माध्यम से वृद्धाश्रम में स्वयं होकर स्वास्थ्य जांच व दवाई वितरण शिविर लेने की यह पहली पहल है. इसकी सराहना सभी द्वारा की जा रही है.डॉ.संदीप दुबे ने इसके लिए संगठन के सभी सहयोगियों के साथ ही सत्य सेवा साईं संगठन के प्रति कृतज्ञता जताते हुए सभी का आभार माना.

मानवता की सेवा ही ईश्वर सेवा-डॉ.अंकुश मानकर

मानवता की सेवा से बड़ी ईश्वरसेवा नहीं हो सकती है. मानवता की सेवा के लिए केवल धन ही जरूरी नहीं रहता है, अगर समर्पित मन हो तो हर स्थिति में मानव सेवा की जा सकती है.

अगर व्यक्ति में कुछ करने की भावना हो तो सब कुछ संभव हो सकता है. महाराष्ट्र सीएचओ संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अंकुश मानकर ने कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम में इस तरह की जांच शिविर लेने तथा हरसंभव सहयोग देने की बात कही. उनके मुताबिक मानवता की सेवा से मिलने वाला संतोष अपार होता है. शिविर के लिए गौरी अय्यर और गणेश अय्यर के साथ ही सीएचओ डॉ.संदीप दुबे तथा डॉ. शीतल दुबे की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही. सत्य साईं सेवा संगठन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा.

चतर्दश भवनों का सम्राट बनकर वृद्धि करो

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी- ने मंगलाक्षतों को हरि के ललाट, शीर्ष पर डाल कर कपूर तावूल को स्वामी के हाथों में देकर दीर्घ नील कुंतलों को संचारकर, सोने के कटोरे में संपगी तेल भरकर 'दीर्घायु के साथ, इष्टपुत्र को प्राप्त करके, चतुर्दश भवनों का सम्राट बनकर वृद्धि करो. हे महा स्वामी!' ऐसा आशीर्वाद देते हुए अभ्यांगन स्नान करवाया. कर्पूर गंध, कस्तूरी, हरिद्राचूर्ण, जवादी आदि को मिलाकर हरि का उबटन लगाया. बाद में शुद्ध जल्न से खान करवाया. इस रूप में करने से जन्म धन्य हो गया, ऐसा लक्ष्मी ने मन में सोचा. तब पार्वती, सावित्री, गायत्री और सरस्वती इन चारों ने चार कलशों से कुंकुमाभिषेक किया. लक्ष्मी के साथ मिलकर उस पुण्य तीर्थ को हथेलियों में भर कर चारों ने 'श्री राम की रक्षा हों', 'दीर्घायु हों' कहते हरि के सिर पर छिड़क कर हरि को आशीर्वाद दिया.

सावित्री के वस्त्र लाकर देने से सिरि ने पानी पोंछ कर मस्तक पर सहलाकर, बालों को ठीक करके सुंदर ढंग से हरि की चोटी बनायी. गौरी के वस्त्र देते हरि ने उन्हें पहन लिया. लक्ष्मी ने धूप लगायी. सरस्वती के द्वारा दिए गए वररत्न भूषणों से लक्ष्मी ने हरि को सजाया. गायत्री ने मकुट को दिखाया. रति, शचि ने चामर किया. पवन की सति छत्र पकड़कर खड़ी हो गयी. गंगा ने पादुकाएँ दीं. तब श्रीकांत ने पादुकाएँ पहन लीं. तब हरि पैदल चलते ब्रह्म सभा के पास आकर सिंहासन पर बैठ गए. तब सारे मुनिगणों को देखते हरि ने ऊंड्र धारण किया. ब्रहमा को देखकर तब 'लक्ष्मी को अभ्यंजन और मंगल स्नान करवाइए.' कहने पर ब्रहमा ने जाकर पार्वती, भारती आदि प्रमुख सुहागिनों को बुलाकर 'उस जगज्जननी के अभ्यांजन स्नान करवाइए.' ऐसा आदेश दिया. सिरि को पीढ़े पर बैठने के लिए दिया.

झुकाकर सिरि ने ब्रहमा की तरफ देखकर कहा. 'हे वनरूहमव. अभ्यांजन खान नहीं करूँगी. शीघ्र ही में खान करूंगी.' सिरि की इन बातों को सुनकर हरि ने संशय से इस रूप में कहा. 'हे सागर तनया. अब तुम अभ्यंजन स्नान के लिए राजी नहीं होगी तो विवाहोत्सव को मैं नहीं चाहूँगा.' हरि के इस रूप में बोलने पर हँसकर रमादेवी चुप रह गयी. तब पार्वती और सुहागिनों ने सिरि का अभ्यंजन स्नान करवाया.

तब सिरि को हल्दी से उबटन लगाकर शीघ्र ही उनका स्नान करवाया. पानी पोंछ कर नये वस्त्रों को धारण करवाया. बालों को संवार कर अलग-अलग जटाओं में उन्हें बांधकर, कुंकुम तिलक ललाट पर लगाकर, आंखों में काजल लगाकर, शरीर पर श्रीगंधादि मलकर, क्रम से रत्न भूषणादि से सिरि का श्रृंगार किया.बाद में विवाह के गीत गाकर प्रीति से सिरि को लिवा लाकर चक्री के साथ सिरि को उन्होंने बिठा दिया. तब शिव हरि और सिरि को देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए. प्रभु के विवाह के समय की प्रसन्नता देखने लायक थी. बालों को संवार कर अलग-अलग जटाओं में उन्हें बांधकर, कुंकुम तिलक ललाट पर लगाकर, आंखों में काजल लगाकर, शरीर पर श्रीगंधादि मलकर, क्रम से रत्न भूषणादि से सिरि का श्रृंगार किया। बाद में विवाह के गीत गाकर प्रीति से सिरि को लिवा लाकर चक्री के साथ सिरि को उन्होंने बिठा दिया. तब शिव हरि और सिरि को देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए.उस समय वशिष्ट आदि महामुनिगण, सनकसनंदादि योगीश्वर इंद्रादि देवतागण, गरूड़, गंधर्वादि के द्वारा लक्ष्मी और नारायण को आनंद से देखते समय, यह शुभ लग्न है, ऐसा जोतिषियों के बताने पर, सुनकर वकुला मालिका ने हल्दी, कुंकुम आदि मंगल द्रव्यों को सोने की थालियों में लाकर स्वामी की सन्निधि में रखा. 'हरि का श्रृंगार कीजिए.' लक्ष्मी से कहने पर सुनकर लक्ष्मी ने अपने स्वामी का श्रृंगार किया. तब कुबेर ने दिव्य रत्न भूषण और वस्त्रों को लाकर लक्ष्मी को दिया. तब लक्ष्मी ने उन दिव्य भूषणांबरों के साथ स्वामी का श्रृंगार करके बहुत आनंद का अनुभव किया. तब वशिष्ट, कश्यप आदि प्रमुख महामुनियों को चक्री ने संप्रदाय के अनुसार नमस्कार किया. तब वशिष्ट ने मोतियो से चतुरखाकार में विवाह की वेदिका की रचना की.

शेष अगले अंक में पढ़ें

गुरूवार 9-15 जुलाई 2025

मेष- इस सप्ताह थोड़ी सी मेहनत में भी सफलता आपके कदम चूमेगी. नाहक विवाद से बचें और वाहन धीरे चलाएं. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.किसी से नाहक विवाद नहीं करें.

वृषभ- यह सप्ताह तुम्हारे लिए भाग्यशाली और जीवन को नया मोड़ देने वाला साबित होगा. दिल से जो भी काम करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी. किसी का दिल दुखाने का प्रयास नहीं करना. थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.यात्रा का योग है.

तुला- घर में इस सप्ताह खुशियां रहेंगी. नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-भक्तिभाव में मन रमेगा. मंगलमय काम पूरा होने का संतोष रहेगा. किसी को परेशान करने से बचना अच्छा होगा.घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन- स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें. दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.नौकरी में बदलाव होने का योग बन रहा है.

दबंग,कर्मठ और संवेदनशील अधिकारी हैं सीमा दातालकर

कर्म को मानती हैं पूजा, सेवा को मानती है सबसे बड़ा धर्म

उल्लेखनीय सेवा कार्यों तथा अपने कार्यों से पुलिस विभाग की शान बढ़ाने वाली सीमा दातालकर को विदर्भ स्वाभिमान-आनंद पुरस्कार प्रदान कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय में सत्कार किया गया. मौके पर डॉ.बोंडे, संपादक सुभाष दुबे, संकेत खोड़े, श्वेता दुबे तथा वीणा दुबे उपस्थित थीं. फोटो-पुखराज राजपुरोहित,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जुलाई

अमरावती- जीवन में सच्चे मन से कर्म करने के साथ ही सेवाभाव रखने वाले लोगों की संख्या कम हो रही है. पैसे कमाने की अंधी दौड़ में मानवता कभी-कभी बिलखती है. लेकिन आज भी कुछ ऐसे अधिकारी हैं जो अपने पद का उपयोग बेहतरीन काम करके, जो भी जिम्मेदारी दी जाए, उसे बेहतरीन तरीके से निभाने का प्रयास करते हैं. हर विभाग में ऐसे अधिकारी यद्यपि संख्या में कम होते हैं लेकिन वे पद पर रहने के साथ ही सेवानिवृत्ती के बाद भी सम्मान प्राप्त करते हैं. खोलापुरी गेट की थानेदार सीमाताई दातालकर भी ऐसी ही अधिकारी हैं. कर्मठता के साथ ही मानवता की सेवा का भाव सदा रहता है. पुलिस विभाग में कुछ अधिकारी अपनी कार्यशैली, अनुशासन और निष्पक्षता के कारण अलग पहचान बनाते हैं. ऐसी ही अधिकारी हैं सीमा दातालकर, जिन्हें एक दबंग, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ थाना प्रभारी के रूप में जाना जाता है. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आम नागरिकों का विश्वास जीतना उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता मानी जाती है. वे चाहे अपराध शाखा में हों, चाहे राजापेठ की थानेदार और वर्तमान में खोलापुरी गेट की पुलिस निरीक्षक के रूप में अपने काम की छाप छोड़ रही हैं. गलत कोगलत कहने की ताकत जहां उनमें है, वहीं सही के साथ पूरी तरह से खड़ी होने का उनका स्वभाव उन्हें सम्मान दिलाता है.

कानून से ऊपर कोई नहीं

सीमा दातालकर ने अपने कार्यकाल में अपराध और अवैध गतिविधियो **शेष पेज 2 पर**

मनोहरआप्पा कापसे का सहस्त्रचंद्र दर्शन समारोह,उमड़े समाजबंधु

संघर्ष से कामयाबी तक के सफर को सभी ने सराहा

आशीष ठोंबरे,8 जुलाई

अमरावती- वह पिता दुनिया में सबसे अधिक भाग्यशाली माना जाता है, जिनकी संतान और परिवार आदर्श होता है. संघर्ष से जूझते हुए वरिष्ठ समाजसेवी एवं सम्मानित नागरिक मनोहरआप्पा विश्वनाथआप्पा कापसे ने भी परिवार की कामयाबी के लिए हरसंभव प्रयास किया. बेटे सचिन और बहू तथा परिवार द्वारा गत दिनों उम्र के 82 वसंत पूरे करने पर रंगोली मंगल कार्यालय कठोरा नाका पर आयोजित उनके सहस्त्रचंद दर्शन समारोह में उमड़े समाजबंधु और अन्य मान्यवरों ने उनके जीवन और कार्यों की मुक्तक्ंठ सराहना की. पिता के सम्मान में उनके सहस्त्रचंद्र दर्शन समारोह का आयोजन श्रद्धा, गरिमा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ. इस अवसर पर परिवार, रिश्तेदार, मित्रगण तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. सभी ने कापसे परिवार के संघर्ष के साथ पिता मनोहरआप्पा कापसे के सामाजिक,धार्मिक कार्यों में योगदान की जहां सराहना की, वहीं उन्हें सुख, समृद्धि के साथ ही स्वस्थ जीवन की कामना की. सभी के प्रति कापसे परिवार ने भी आत्मीयता जताते हुए लोगों के प्रेम के लिए कृतज्ञता व्यक्त की.

रंगोली मंगल कार्यालय में हुए समारोह में उपस्थित अतिथियों ने मनोहरआप्पा कापसे के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए उनका शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया. वक्ताओं ने उनके सामाजिक योगदान, सरल व्यक्तित्व और परिवार व समाज के प्रति समर्पण की सराहना की.धार्मिक विधि-विधान, पूजन एवं मंगलमय वातावरण में संपन्न हुए इस समारोह के बाद उपस्थित अतिथियों के लिए महाप्रसाद एवं स्नेहभोज का आयोजन भी किया गया. कार्यक्रम की सफलतार्थ श्री मनोहरआप्पा विश्वनाथआप्पा कापसे,सौ.पूनम-सचिनआप्पा कापसे, सौ.स्मिता-मिलींद नारिंगे, सौ.सारिका-प्रदीप उमरे, सौ.स्नेहल-अमोल मिटकरी तथा कापसे परिवार के सदस्यों ने अथक प्रयास किया. सभी के लिए यह समारोह यादगार रहा.

मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता है

सेवाभावी कामों से मिलता है अपार संतोष, संभव उतना करना चाहिए- रवीन्द्रसिंह सलूजा

विदर्भ स्वाभिमान,8जुलाई

अमरावती- जीवन में हम सभी ने किराए का संसार रूपी घर लिया है, इसे खाली करना ही है, यह सोचते हुए जितना संभव हो, सेवा के माध्यम से परमपिता परमात्मा को खुश करने का प्रयास करना चाहिए. स्वयं के लिए जीने की प्रवृत्ति जानवरों में होती है. मानव तन बड़े भाग्य से मिला है, ऐसे में अपने व्यवसाय के माध्यम से अपनी आय का कुछ हिस्सा अगर नेक कामों में जाता है तो वह निश्चित तौर पर वाहे गुरू की कृपा से बढ़कर ही आता है. अगर हमारा भाव अच्छा है तो हमें हर जगह परमात्मा के रहने की अनुभूति होती है. इस आशय का प्रतिपादन सुख्यात व्यवसायी, समाजसेवी तथा होटल ईगल इन के संचालक रवींद्रसिंग उर्फ बिट्टूभैया सलूजा ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि वे मन के राजा हैं, जहां जरूरत होती है, वे बिना किसी तरह के प्रचार के मदद करते हैं. लेकिन स्पष्ट किया कि वे नाम के लिए या शोहरत क़े लिए नहीं बल्कि अपने आत्मिक संतोष तथा मन की खुशी के लिए सेवाभाव का रवैया अपनाते हैं. अंध विद्यालयों से लेकर वृद्धाश्रम तथा गुरुद्वारे में भी सेवा देने से अपार खुशी मिलने की बात वे कहते हैं.

व्यवसाय केवल आर्थिक उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि समाजसेवा का भी एक सशक्त माध्यम हो सकता है, इसका वे आदर्श उदाहरण हैं. इस विचार को अपने कार्यों से सार्थक करने वाले व्यक्तित्व हैं रविंद्र सिंह सलूजा. जन्मदिन पर रक्तदान शिविर लेकर अभी तक

> **जीवन में हम जब किसी को खुशी देते हैं तो परमात्मा की कृपा से वह सदा बढ़कर आती है. मेरे जीवन में मैने सदा इसका अनुभव किया है.यही कारण है कि जितना बन पड़ता है, सेवा करने का प्रयास करता हूं. प्रभु साथ देते हैं.**
>
> **रविन्द्रसिंह सलूजा,समाजसेवी**

5 हजार से अधिक बोतल रक्त जमा कर गरीबों की मदद की है. इसके साथ ही अन्य सेवाकार्य में सदा अग्रणी रहते हैं. उनके इसी कार्यों को ध्यान में रखते हुए उनका हाल में सत्कार किया गया और बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता-पिता ने उन्हें आशिर्वाद दिया.

रविंद्र सिंह सलूजा जरूरतमंदों की सहायता, दिव्यांगों की मदद,धामिक कार्यो में योगदान के साथ ही सेवाभावी उपक्रमों में भी सदा दिल-खोलकर मदद करते हैं. सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी तथा सेवा कार्यों के प्रति अपनी संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं. वे मानते हैं कि समाज से प्राप्त सम्मान और विश्वास का प्रतिदान समाज की निस्वार्थ सेवा के माध्यम से किया जाना चाहिए.उनका सरल, विनम्र और सेवा-भाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व अनेक लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं. वे यह संदेश देते हैं कि सच्ची सफलता केवल व्यवसाय में नहीं, बल्कि समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में निहित है.ज्ञानशांति उपवन में हुए सत्कार कार्यक्रम में गणेश अय्यर, गौरी अय्यर, बिपिन मिश्रा, सौ. मीना मिश्रा, तिवारीजी, दिनेश जैन, अरूणा पोलाड सहित सभी बुजुर्ग माता-पिता उपस्थित थे.उनके मुताबिक जितना संभव हो सके, हर व्यक्ति को अपने स्तर पर अच्छे सेवा कार्य करने का प्रयास करना चाहिए.

आदर्श पत्रकारिता के साथ 17वें वर्ष में पदार्पण पर विदर्भ स्वाभिमान को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक
बिपिन मिश्रा, सौ. मीना मिश्रा (मानव सेवी कामों में समर्पित दम्पति)तथा मिश्रा परिवार,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें
विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.
संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.
मो.9423426199

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

नानाभाऊ नागमोते

शिवसेना के समर्पित,एकनिष्ठ नेता नानाभाऊ नागमोते को जन्मदिन तथा विदर्भ स्वाभिमान के 17वें वर्ष में पदार्पण पर मंगलमय

हार्दिक शुभकामनाएं.

नानाभाऊ नागमोते मित्र परिवार,शिवसेना के सभी पदाधिकारी,कार्यकर्ता,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

को आदर्श पत्रकारिता के साथ १७वें वर्ष में पदार्पण पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

रवीन्द्रसिंग सलूजा उर्फ बिट्टूभैया तथा होटल ईगल ईन तथा वीरसा परिवार,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

की आदर्श पत्रकारिता तथा माता-पिता की भक्ति को प्रोत्साहन के साथ १७वें वर्ष में पदार्पण पर हमारी हार्दिक

शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

डा.राजेश शर्मा, डॉ.सौ. प्रांजल शर्मा तथा परिवार,अमरावती.

वैद्यकीय क्षेत्र में मानवता को समर्पित सेवाभावी परिवार, अमरावती.

घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक केन्द्र में विश्वस्तरीय सुविधा

आधुनिकतम जांच मशीनों में है विदर्भ में सदैव अव्वल

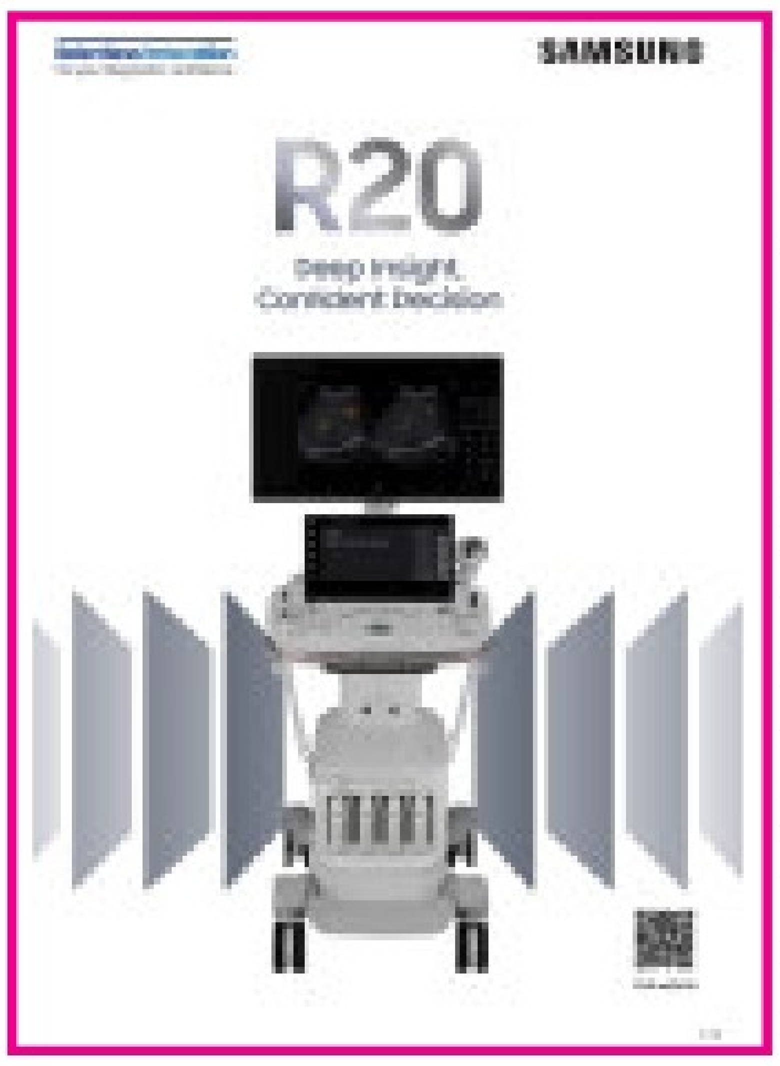

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जुलाई

अमरावती-अमरावती ही नहीं तो विश्वस्तरीय स्वास्थ्य जांच सुविधाओं के लिए विदर्भस्तर पर घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर का नाम लिया जाता है. इसके संचालक डॉ.पंकज घुंडियाल जितने अच्छे डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन तथा मानवता की सेवा और जीवन में नैतिकता को अत्याधिक महत्व देने वाले इंसान है. केन्द्र में जहां गरीब तथा मध्यमवर्गीय मरीजों को हरसंभव सहयोग किया जाता है, वहीं दूसरी ओर वे कहते हैं कि माता-पिता के आशिर्वाद और प्रभु की असीम कृपा को वे अपनी कामयाबी का श्रेय मानते हैं. जिले ही नहीं तो संभाग में वे पहले ऐसे डाक्टर हैं, जिन्हें देश में विभिन्न स्थानों पर होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल होने तथा मार्गदर्शन करने का मौका मिला है.

अमरावतीवासियों से लगाव

आज के दौर में जहां सभी पैसे के पीछे लगे हैं, वहीं अमरावतीवासियों को लेकर उनके दिल में अपार प्रेम है. यही कारण है कि करोड़ों रूपए कमाने का मौका रहने के बाद भी उन्होंने अमरावती जिले को अपना कार्यक्षेत्र बनाया. वे कहते हैं कि अमरावतीवासियों का अपार विश्वास और प्रेम ही उनकी सबसे बड़ी दौलत है. आधुनिकतम मशीनरी लाने का पहला श्रेय तो उन्हें ही जाता है.फिर चाहे विदेश से आयातित स्वास्थ्य जांच मशीन हो अथवा कुछ मशीनें तो पहली बार लाने का श्रेय भी घुंडियाल

रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर को ही जाता है. अत्याधुनिक तकनीक से लैस मध्य भारत की पहली सैमसंग आर20 सोनोग्राफी एवं कलर डॉप्लर मशीन शुरू कर चिकित्सा क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत की है. यह आधुनिक मशीन दक्षिण कोरिया से आयातित की गई है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक से संचालित है. इसका लाभ मरीजों से लेने का आग्रह किया गया है. अमरावती की शान यह केन्द्र है.

आदर्श पत्रकारिता के साथ 17वें वर्ष में पदार्पण पर विदर्भ स्वाभिमान को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

योगेश विजयकर,लोकप्रिय नगर सेवक, गड़गड़ेश्वर प्रभाग तथा मित्र परिवार,अमरावती.

निष्ठावान और सेवाभावी नेता हैं नाना नागमोते

शिवसेना सुप्रीमों स्व.बालासाहब ठाकरे और विधायक स्व.संजय बंड को मानते हैं अपना आदर्श,जनसेवा में रहते हैं सदा समर्पित

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जुलाई

अमरावती- आज सत्ता के लिए कुछ भी कर गुजरने तथा कभी भी पाला बदलने वाले नेताओं के दौर में शिवसेना के एकनिष्ठ नेता के रूप में उन्हें सभी जानते हैं. उनके संघर्ष के दिनों से लेकरकामयाबी तक का सफर उन्होंने शानदार तरीके से पूरा किया.

समाज में ऐसे व्यक्तित्व विरले ही देखने को मिलते हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के जनसेवा को अपना जीवन लक्ष्य बना लेते हैं. नाना नागमोते ऐसे ही निष्ठवान, सेवाभावी और कर्मठ नेता हैं, जिन्होंने अपने सरल स्वभाव, ईमानदारी और समाज के प्रति समर्पण से लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है.

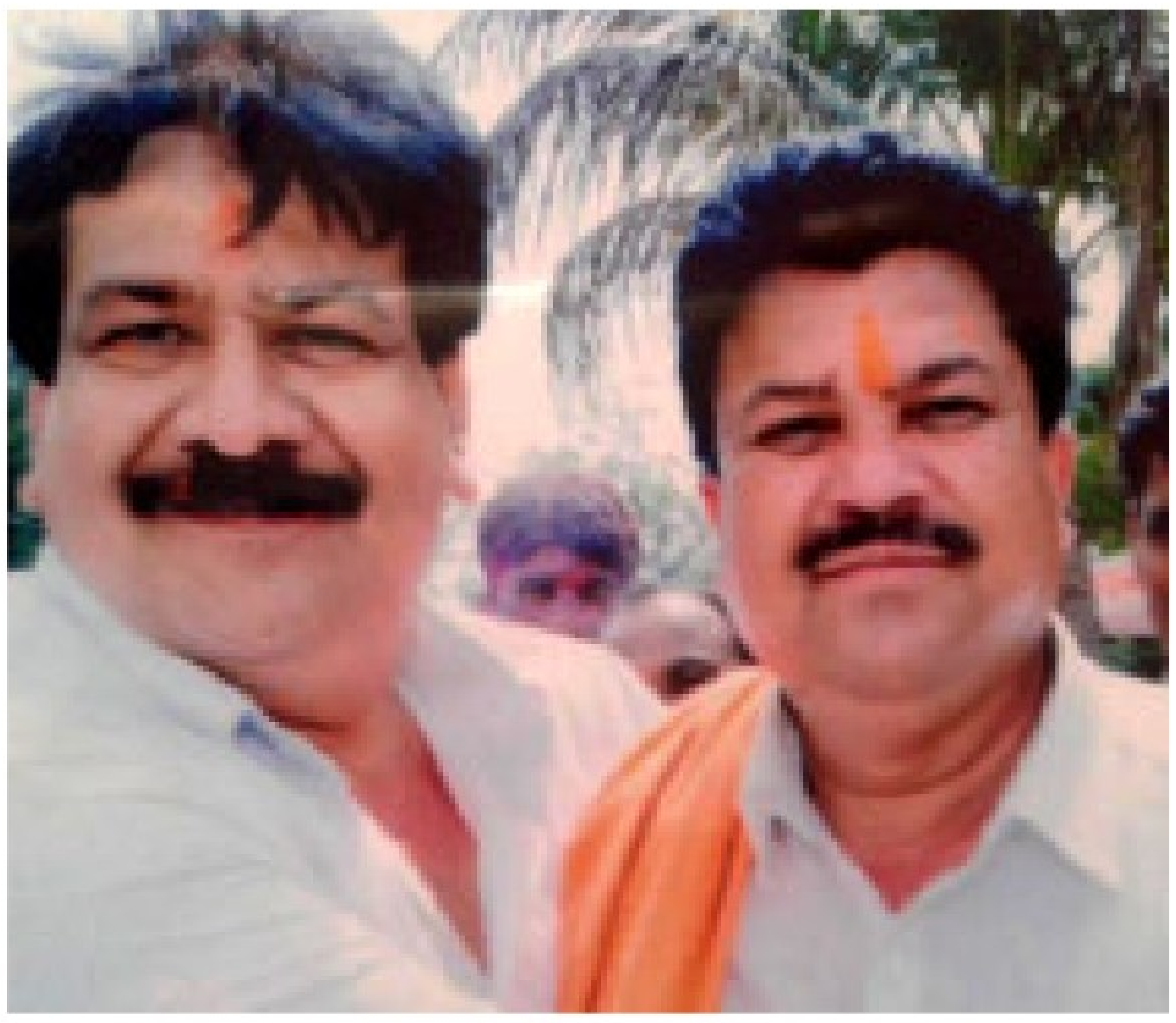

नाना नागमोते का मानना है कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की सेवा का सशक्त मार्ग है. यही कारण है कि वे सदैव आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने, उनके समाधान के लिए प्रयास करने तथा समाज के हर वर्ग के लोगों के साथ खड़े रहने का कार्य करते हैं.

उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सादगी, विनम्रता और जनसंपर्क है. वे लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक विकास, युवाओं के मार्गदर्शन और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं.नाना नागमोते का व्यक्तित्व युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है. वे सेवा, समर्पण, अनुशासन और ईमानदारी को जीवन की सबसे बड़ी पूंजी मानते हैं. उनका विश्वास है कि समाज का विकास तभी संभव है जब जनप्रतिनिधि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को अपनी समस्या समझें.

अपने सेवा कार्यों और जनहित के प्रति समर्पण के कारण नाना नागमोते लोगों के विश्वास और सम्मान के पात्र बने हैं. उनका जीवन यह संदेश देता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो पद से नहीं बल्कि अपने कर्म, निष्ठा और सेवा भावना से पहचाना जाए. नाना नागमोते की शुरुवात महाविदर्भ में पत्रकार के रूप में हुई थी. लेकिन बाद में शिवसेना से जुड़ने के बाद पूरी तरह से समाजसेवा और अन्याय पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए स्वयं को झों क दिया. उनके स्वभाव के चलते हजारों कार्यकर्ताओं के दादा के रूप में उन्हों ने पहचान बनाई. आज भी समर्पित शिवसेना नेता के रूप में काम कर रहे हैं.

गरीबी ही सिखाती है

जीवन में गरीबी और अभाव रहने के बाद ही मेहनत, समर्पण से जीवन में कामयाबी मिलती है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आजकल के बच्चों को मोबाइल ने इतना अंधा कर दिया है कि उन्हें पिता की दिन-रात की मेहनत भी नहीं दिखाई देती है. मोबाइल के रील्स से जीवन संवारने की इनकी चाहत ही दु:खों का कारण बनती है. जबकि बच्चों की यह हरकत दिन-रात परिवार के लिए काम करने वाले पिता को अंदर ही अंदर खोखला करती है. एक नहीं सभी की समस्या है. इस पर चिंतन होना चाहिए.

लड्डू समर्पण महायज्ञ में भक्तों से सहयोग देने का आग्रह

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जुलाई

अमरावती- शहर के संतश्री गजानन महाराज भक्तों द्वारा गुरूपूर्णिमा पर बेहतरीन प्रयास किया गया है. अंबानगरी धार्मिक नगरी रहने से यहां पर युवाओं तथा भक्तों द्वारा विभिन्न धार्मिक उपक्रम चलाया जाता है. इस कड़ी में इस बार लाखों भक्तों के सद्‌गुरू संतश्री गजानन महाराज को गुरूपूर्णिमा के पावन अवसर पर भक्ति की अनूठी सेवा देने की योजना बनाई है. इस कड़ी में गुरुपूर्णिमा 29 जुलाई 2026 के पावन अवसर पर 5 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक श्री गजानन महाराज, शेगांव में प्रतिदिन वितरित होने वाले बूंदी लड्डू प्रसाद हेतु सामग्री समर्पण महायज्ञ का आयोजन किया गया है. इसमें अधिकाधिक संख्या में भक्तों से शामिल होने तथा अपने सामर्थ्य के मुताबिक योगदान देने का आग्रह किया गया है. इसी दिन से सावन का पवित्र महीना लगने के कारण महादेव भक्तों में भी अपार उत्साह व्याप्त है. इस कार्य में सभी से यथासंभव सहयोग देने का आग्रह किया गया.

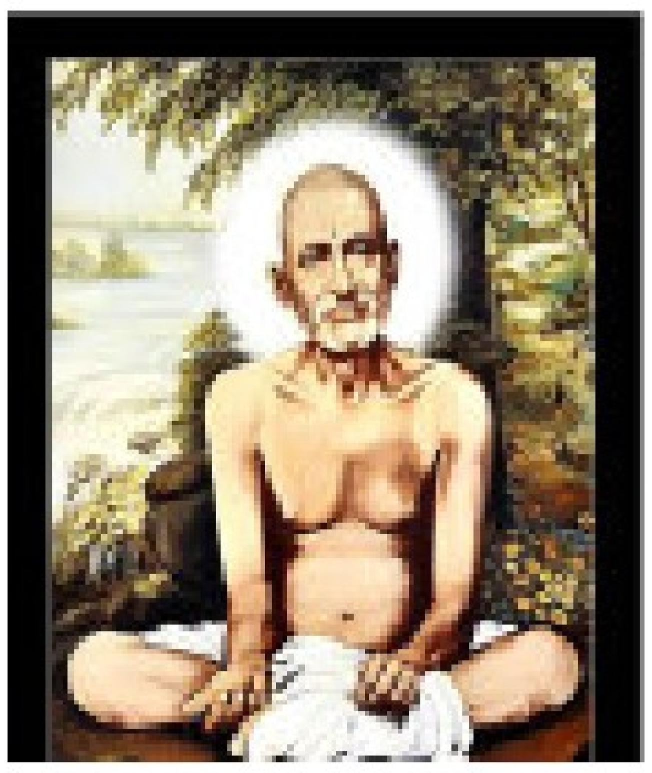

पिछले वर्ष श्रद्धालुओं के सहयोग से 1.21 लाख मूल्य की सामग्री समर्पित की गई थी. इस वर्ष भी अधिक से अधिक भक्त इस पुण्य सेवा में सहभागी बनें.सामग्री संग्रह अवधि: 5 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक रहेगी. इसमें भक्तों से योगदान देने का आग्रह किया गया है. इसके लिए मख्य संग्रह केंद्र:

ईशावास्यममिदम श्री गजानन महाराज मंदिर, गोदावरी कॉलोनी, दस्तूरनगर, अमरावती रखा गया है. इस पावन काम में योगदान देने के इच्छुक भक्तों से प्रमोद कराले से मोबाइल 9423123145, प्रशांत महल्ले 9922703923 से संपर्क करने का आग्रह किया गया है. यदि आपके शहर में संग्रह केंद्र नहीं है, तो ऑनलाइन सहयोग भी स्वीकार किया जाएगा. गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री गजानन महाराज की सेवा में अपना श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के इस पावन मौके का लाभ लेने का आग्रह भक्तों से किया गया है.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

नासिक में बला की बारिश ने मचाया कोहराम,जनजीवन अस्तव्यस्त

विदर्भ स्वाभिमान,8 जुलाई

नासिक- अमरावती में जहां बारिश नहीं होने से किसान परेशान हैं, वहीं मुंबई, पुणे, नासिक में बारिश ने कोहराम मचा दिया है. स्थिति यह है कि नासिक में जनजीवन पूरी तरह से अस्तव्यस्त हो गया है. शहर के साथ ही जिले में बारिश के कारण नदियों , नालों में जहां बाढ़ आ गई है, वहीं दूसरी ओर अन्य स्थानों पर भी बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है. रास्ते के साथ ही अन्य साधनों पर भी भारी बारिश का असर पड़ रहा है. बारिश के कारण लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है. बारिश से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है. प्रशासन व्यवस्था बनाने में व्यस्त है.

गुणवत्ता   विश्वसनीयता   तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा आज का दिन

अभिनंदन बैंक के इतिहास का होगा गौरवशाली पल

आज का यह पावन अवसर हमारी अभिनंदन बैंक के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित होने वाला है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति भूषणजी तथा श्रीमती कमलताई रामकृष्णजी गवई की गरिमामयी उपस्थिति से यह सद्भावना भेंट सम्मान, कृतज्ञता और प्रेरणा से आलोकित हो उठी है.

अमरावती की इस पुण्यभूमि में अंकुरित हुआ यह व्यक्तित्व आज राष्ट्र जीवन में न्याय, समानता और संविधान के प्रति अटूट निष्ठा का उज्ज्वल प्रतीक बनकर प्रतिष्ठित है.इसी भूमि पर शिक्षा के संस्कार प्राप्त कर वकालत के क्षेत्र में पहला कदम रखने वाले इस भूमिपुत्र ने अपनी विद्वत्ता, निस्वार्थ सेवाभाव और कर्तव्यनिष्ठा से न्यायपालिका की गरिमा और प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है.

आदरणीय गवई साहब की प्रेरणादायी सफलता और अभिनंदन बैंक की प्रगतिशील यात्रा-दोनों की जड़ें इसी संस्कारवान अमरावती की पावन धरती में निहित हैं.इसलिए आज का यह स्नेह-मिलन इस भूमि की समृद्ध परंपरा, सेवाभाव और गौरवशाली संस्कृति का उत्सव बन गया है.

न्या. गवई साहब ने समय-समय पर संविधान की सर्वोच्चता का जो निर्भीक और मार्गदर्शक संदेश दिया है, वह भारतीय लोकतंत्र के शाश्वत मूल्यों के प्रति उनकी अटूट आस्था का परिचायक है.यह संविधान के शिल्पकार, बोधिसत्व, भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी है. व्यक्ति, पद और समय बदलते रहेंगे, किंतु संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श सदैव भारतीय लोकतंत्र के पथप्रदर्शक बने रहेंगे.

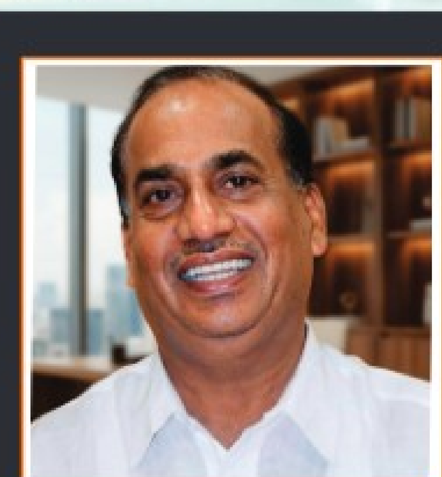

सुदर्शन गांग
मो.९४२२१५६५२३

आज हम केवल एक महान व्यक्तित्व का स्वागत नहीं कर रहे हैं, बल्कि न्याय, कर्तव्यनिष्ठा और लोकतांत्रिक मूल्यों के उन महान आदर्शों का भी अभिनंदन कर रहे हैं, जिनका आपने अपने जीवन और कार्यों से सदैव सम्मान बढ़ाया है.

आदरणीय महोदय, आपके आगमन से आज का यह सद्भावना मिलन और भी अधिक गौरवपूर्ण एवं अविस्मरणीय बन गया है.अभिनंदन बैंक परिवार की ओर से हम आपका हार्दिक स्वागत, अभिनंदन एवं वंदन करते हैं तथा आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सतत सुख-समृद्धि और निरंतर यशस्वी जीवन के लिए मंगलकामनाएँ एवं शुभकामनाएँ अर्पित करते हैं.

एक समारोह में देश के तत्कालीन सीजेआय न्या. भूषण गवई का सत्कार करते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं दूसरे चित्र में उल्लेखनीय सामाजिक कार्यों के लिए डॉ. कमलताई गवई का सत्कार करते सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन तथा डॉ. गोविंद कासट.

आर्थिक पारदर्शिता और मजबूती की मिसाल है अभिनंदन अर्बन कोऑपरेटिव बैंक

जिला से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक प्राप्त कर चुकी है कई अवार्ड

विदर्भ स्वाभिमान,८ जुलाई

अमरावती स्थित अभिनंदन अर्बन कोऑपरेटिव बैंक ने सहकारिता क्षेत्र में अपनी सेवाओं और ग्राहक-केंद्रित कार्यप्रणाली के माध्यम से राज्यस्तर अपनी पहचान बनाई है। बैंक के अनुसार, उसकी प्राथमिकताओं में पारदर्शी प्रशासन, वित्तीय अनुशासन तथा आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार शामिल है। बँक का शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता भी है। बैंक को विभिन्न अवसरों पर शासकीय सम्मान जैसे सहकारनिष्ठ,सहकारभूषण पुरस्कार प्राप्त हुए है।किसी भी सहकारी बैंक की दीर्घकालिक सफलता सुशासन, नियामकीय अनुपालन, वित्तीय स्थिरता और ग्राहकों के विश्वास पर निर्भर करती है।

जिला से लेकर राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड प्राप्त कर चुकी है।सहकारिता के क्षेत्र में अपनी विश्वसनीयता और पारदर्शी कार्यप्रणाली के चलते अभिनंदन अर्बन को ऑपरेटिव बैंक ने न केवल अमरावती जिले बल्कि विदर्भ तथा राज्य में अपना अलग स्थान बनाया है.

सभासद को निरंतर १०% लाभांश वितरण के साथ नेट एनपीए ०% रहने के साथ बैंक की आर्थिक स्थिति जहां मजबूत है वही बैंक के अध्यक्ष एड. विजय बोथरा तथा प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष समाजसेवी सुदर्शन गांग, अनुभवी संचालकगण का साथ और प्रशिक्षित कर्मयोगियों की अथक मेहनत तथा समर्पण के कारण बैंक की सभी शाखाएं आर्थिक मजबूती के साथ सेवा कर रही हैं. बैंक का हर व्यक्ति जहां आत्मीयता रखता है, वही बेहतरीन समन्वय के कारण बैंक ने शानदार कामयाबी हासिल की है.

(शेष पेज २ पर)

मा.श्री. भूषणजी गवई
(पूर्व चीफ जस्टीस ऑफ इंडिया, भारत सरकार)
अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बँक लि., अमरावती चे मुख्य कार्यालयाला
आत्मीय भेंट
निमित्त
हार्दिक स्वागत!

शुभेच्छुक- अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बैंक लि. के सभी पदाधिकारी, संचालक और कर्मयोगी

अमरावती के न्यायिक क्षेत्र के भूषण हैं

पूर्व सीजेआई न्या.भूषण रामकृष्ण गवई : संघर्ष, संविधान और न्याय की मिसाल

अमरावती शहर का नाम जिन लोगों ने राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया, ऐसे लोगों में शालीनता के साथ ही मिलनसार स्वभाव के धनी तथा देश के पूर्व मुख्य न्यायामूर्ति भूषण गवई अमरावती जिले ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र के भूषण कहना गलत नहीं होगा. बचपन की गरीबी, अभावों से जूझते हुए अपनी मेहनत, लगन, समर्पण तथा आत्मविश्वास के बलबूते कामयाबी की ऐसी इबारत लिख डाली, जो युवाओं को सदा प्रेरणा देने का काम करेगी. अमरावती से उनका प्रेम जगजाहिर है. उनके कारण आज अमरावती न्यायिक क्षेत्र में सम्मानजनक रूप में देखा जाता है.

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई भारतीय न्यायपालिका के उन प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के बल पर देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था तक का सफर तय किया। उनका जीवन संघर्ष, मेहनत और सामाजिक समरसता का प्रेरक उदाहरण है।न्यायमूर्ति भूषण गवई का जन्म २४ नवंबर १९६० को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ। उनके पिता रामकृष्ण सूर्यभान गवई प्रख्यात समाजसेवी, वरिष्ठ राजनेता और सामाजिक न्याय के समर्थक थे। पारिवारिक संस्कारों से प्रेरित होकर उन्होंने कानून की पढ़ाई पूरी की और वर्ष १९८५ में वकालत शुरू की। उन्होंने मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ में दीवानी, फौजदारी, संवैधानिक तथा प्रशासनिक मामलों में लंबे समय तक सफलतापूर्वक पैरवी की।१४ नवंबर २००३ को उन्हें बॉम्बे हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और १२ नवंबर २००५ को वे स्थायी न्यायाधीश बने। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण मामलों में संतुलित, व्यावहारिक और संविधानसम्मत निर्णय दिए। उनकी न्यायिक कार्यशैली निष्पक्षता, सरलता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति दृढ़ निष्ठा के लिए जानी जाती है।

२४ मई २०१९ को न्यायमूर्ति गवई को भारत के सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। सर्वोच्च न्यायालय में उन्होंने संविधान, प्रशासनिक कानून, नागरिक अधिकारों, पर्यावरण, कराधान और शासन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की। उनके निर्णयों में विधि के शासन, समानता, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मर्यादाओं पर विशेष बल दिखाई देता है।

१४ मई २०२५ को उन्होंने भारत के ५२वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस पद तक पहुंचने वाले वे देश के उन चुनिंदा न्यायविदों में शामिल हैं जिन्होंने अपनी योग्यता और न्यायिक उत्कृष्टता के आधार पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वे अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले दूसरे मुख्य न्यायाधीश भी हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में समान अवसर और सामाजिक न्याय की भावना को मजबूत करता है।न्यायमूर्ति भूषण गवई न्यायपालिका में पारदर्शिता, न्याय तक आसान पहुंच, तकनीक के उपयोग और मुकदमों के त्वरित निपटारे के पक्षधर माने जाते हैं। उनका मानना है कि न्याय तभी सार्थक है जब वह समय पर, निष्पक्ष और आम नागरिक की पहुंच में हो।

युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं

उनका जीवन युवाओं, विधि के विद्यार्थियों और न्यायिक सेवा में आने की आकांक्षा रखने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि कठिन परिश्रम, ईमानदारी और संविधान के प्रति अटूट आस्था के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों तक पहुंचा जा सकता है। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का व्यक्तित्व भारतीय न्यायपालिका की गरिमा, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों का सशक्त प्रतीक है।

अभिनंदन अर्बन को-ऑप. बैंक लि. की कैम्प रोड स्थित नई इमारत के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का स्वागत करते हुए बैंक के अध्यक्ष ॲड. विजय बोथरा, प्रबंधन बोर्ड के अध्य क्षसुदर्शन गांग एवं अन्य पदाधिकारी